

प्रेषक,

उत्पल कुमार सिंह,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

रेशम निदेशालय उत्तराखण्ड,

प्रेमनगर-देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 17 अगस्त, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में राज्य सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1588/रेशम/तक0अनु0/बजट/2007-08 दिनांक 30, जुलाई, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में शासनादेश संख्या-422/XVI/07/7(42)/2007 दिनांक-30 मई, 2007 द्वारा राज्य सैक्टर की योजनाओं पर व्यय हेतु लेखानुदान के माध्यम से अवमुक्त धनराशि रु0-5427000.00 (चौवन लाख सत्ताईस हजार मात्र) के अतिरिक्त चालू वित्तीय वर्ष की अवशेष अवधि में राज्य सैक्टर की चालू योजनाओं पर व्यय के लिए संलग्न विवरणानुसार कुल रु0-9195000.00 (इक्यानबे लाख पचियानबे हजार मात्र) की धनराशि निम्न प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा। बृहद निर्माण के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि का व्यय पूर्व में स्वीकृत कार्यों पर कार्यों की अनुमोदित लागत सीमा के अन्दर ही किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-599/XXVII(1)/2007, दिनांक-12 जुलाई, 2007 (छाया प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुरुंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्वेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का फंडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 4- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- 5- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 7- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।



...2/

8- व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

9- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरा पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

10- जिन उपमानक मदों में चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आय-व्ययक प्राविधान, लेखानुदान द्वारा अवमुक्त धनराशि से कम हुआ है, उन उपमानक मदों के अन्तर्गत आय-व्ययक प्राविधान की सीमा तक ही व्यय किया जायेगा। यदि सम्बन्धित उपमानक मद में लेखानुदान द्वारा अवमुक्त धनराशि का सम्पूर्ण व्यय किया जा चुका हो, तो उसके समायोजन हेतु अन्य सुसंगत उपमानक मदों की बचतों से पुनर्विनियोग का प्रस्ताव यथासमय उपलब्ध कराया जाय, तथा यदि व्यय नहीं किया गया है, तो आय-व्ययक प्राविधान एवं लेखानुदान के अन्तर की धनराशि प्राथमिकता से राजकोष में जमा कराते हुए महालेखाकार कार्यालय, उत्तराखण्ड एवं शासन को भी अवगत कराया जाय।

11- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत-119-बागवानी और सब्जियों की प्रसारे -07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित विभिन्न योजनाओं की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-141(P)/वित्त अनु०-4/2007, दिनांक-16 अगस्त, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(उत्पल कुमार सिंह)
सचिव।

संख्या- 33/XVI/07/7(42) 2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- वजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- गाडें फाईल

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या २३९ /XVI/07/7(42) 2007 दिनांक 17 अगस्त 2007 का संलग्नक
वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या 29 के आयोजनागत पक्ष में राज्य सेंक्टर की चालू योजनाओं हेतु
प्राविधानित धनराशि के सोपस स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण।

अनुदान संख्या-29

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	लेखाशीर्षक / योजना / मद	वर्ष 2007-08 हेतु प्राविधानित धनराशि	लेखानुदान के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	0703-सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1000	330	670
2	0705-केंद्र पोषित कैटेलेटिक योजनाएं 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2500	810	1690
3	0707-चौकी भवनों का निर्माण एवं रिनोवेशन 08-विद्युत दाय 05-लघु निर्माण 29-अनुरक्षण	150 2000 6000	50 950 2000	0 0 0
	योग :0707-	8150	3000	0
4	0708-जैविक रेशम विकास 02-मजदूरी 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता 26-मशीनें और मज्जा/उपकरण और सयंत्र 31-सामग्री और सम्पूति	350 50 50 550	83 60 50 133	267 0 0 417
	योग :0708-	1000	326	684
5	0709-वृक्षारोपण विकास योजना 02-मजदूरी 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता 31-सामग्री और सम्पूति	250 100 450	67 105 150	183 0 300
	योग :0709-	800	322	483
6	0710-रेशम वस्त्र विकास योजना 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	800	240	560
7	0711-रेशम प्रशिक्षण योजना 08-कार्यालय व्यय 08-विद्युत दाय 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण 21-छात्रवृत्तियां एवं छात्र वेतन 26-मशीनें और मज्जा/उपकरण और सयंत्र 31-सामग्री और सम्पूति 41-अन्य व्यय 44-प्रशिक्षण व्यय	20 20 40 10 50 50 170 140	7 7 13 17 17 17 50 40	13 13 27 0 33 33 120 100
	योग :0711-	500	168	339

8	0712-उत्तरांचल सहकारी रेशम फेडरेशन का सुददीकरण			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	500	231	269
	24- मृद निमाण	4500	0	4500
	योग 0712	5000	231	4769
	महायोग अनुदान संख्या-29 (कमाक 1 से 8 तक)	19750	5427	9195

(रु0 इक्यानब्बे लाख पिचानब्बे हजार मात्र)

(उत्पल कुमार सिंह)
सचिव।